



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.06.2021	04	03-06

‘हक्फि में सभी कॉलेजों में बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम’

हिसार, 25 जून (पकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कामोज ने कृषि महाविद्यालय के सत्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है।

स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया।



एच.ए.यू. के सत्य विज्ञान विभाग में स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कामोज व अन्य।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26.06.2021	03	03-06

उद्घाटन

स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन, जल्द सभी कालेजों में भी बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम

एचएयू के विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सर्व विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है।

स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाए जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी



एचएयू के सर्व विज्ञान विभाग में स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य। ● डॉ.आज्ञीपीआर

कैंटीन में सफाई का रखें ध्यान कैंटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डा. एके छाबड़ा ने कुलपति को कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डा. अतुल ढीमड़ा, कुलसचिव डा. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रमननिवास आदि मौजूद रहे।

व अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए समय-समय पर राष्ट्रीय व

महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। इस कैंटीन में न्यूनतम दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.06.2021	02	01-03

स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ेंगे एचएयू स्टडेंट्स

एचएयू के वीसी ने स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरुआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरुआत की है।

स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के बाद वीसी ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिसमें इंटरनेट



स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन करते वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाए। स्मार्ट रूप कक्ष के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटिन का भी उद्घाटन किया गया। वीसी ने कहा कि इस कैंटिन में न्यूनतम दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए ताकि सभी इसका आसानी से

लाभ उठा सकें। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा ने वीसी का स्वागत किया। इस अवसर पर वीसी के ओएसडी डॉ. अनुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. अमरजीत कालड़ा, नवीन जैन, डॉ. एस.के. ठकरेल सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.06.2021	02	04-05

अब एचएयू के विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में कर सकेंगे पढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरुआत हो चुकी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरुआत की। कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाए जाएंगे, जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाई जाएंगी। इसके अलावा कृषि महाविद्यालय की कैटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए



उद्घाटन करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज।

लाभदायक होगी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एंके छाबड़ा ने कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस मौके पर कुलपति के ओप्सडी डॉ. अमुल छांगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, डॉ. रामनिवास ढांडा, अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एमएस सिंहपुरिया, डॉ. अमरजीत कालड़ा, नवीन जैन, डॉ. एसके ठकराल आदि मौजूद रहे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26.06.2021	01	01-06

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों के लि

हरिभूमि न्यूज़ || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है। स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द विवि के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे। जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

कुलपति ने प्रथम चरण में स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया



विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं देने का प्रयत्न

म सुबह नाश्ते में रात के समय करता है। एआर रहमान का प्रोफेसर ने कहा कि विश्वविद्यालय अलग है, सचिन बेहतरीन सुविधाएं प्रदान बरल्लैबाज कैसे बने, लिए समय समय पर राज मूल्यांकन का ही परिणाम अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों को नहीं, कितने हैं, कैसे हैं आदान-प्रदान कार्यक्रम उके चीजों के देखने के नजर आये जाते हैं ताकि विद्युत हो। कोरोना के बाद हम जीव अनुसार प्रदर्शन हो सकें। रहे हैं, उसका मूल्यांकन के उद्घाटन के अलावा ही इससे ही आगे वाले समय की कैटीन का भी उद्घाटन की गुणवत्ता तय होने वाले से जुड़ा होगी।

दोनों अवस्थाओं पर

मार्गदर्शक
अशोक कुमार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.06.2021	02	03-06

एचएयू में बनेगा जनल वलब, वैज्ञानिक और स्टूडेंट्स साझा कर सकेंगे शोध परिणाम : वीसी

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान में वीसी ने रखे विचार

भास्कर न्यूज़ | हिसार



एचएयू में जनल वलब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पेक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतार मुख्यातिथि बाल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि

ने कहा कि इस जनल वलब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

सभी वैज्ञानिकों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा। जिससे

विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पेक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में

अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए: भागीरथ

ऑस्ट्रेलिया की क्वीसलेंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने बतार मुख्य वक्ता कहा कि किए भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए ताकि उच्च श्रेणी की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान

निदेशक डॉ. नीरज कुमार संयोजक, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढाँगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की

नाम रेटिंग, स्कॉरप्स इंडेक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	27.06.2021	02	03-06

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एचएयू में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित

अफगानी कृषि वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा हक्की

हिसार, 26 जून (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।

हक्की के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दीकी से ऑनलाइन बैठक के बाद बताया कि हक्की की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय



बैठक के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का

मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक

सातकोत्तर अधिकारी एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डा. अबुल द्विंगड़ा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को शी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायता होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27.06.2021	02	06-07

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू

हिसार। एचएयू जल्द ही वर्जीनिया टैक विश्वविद्यालय से अफगानिस्तान के कृषि जुड़े गूरु एम सिहूकी से ऑनलाइन अधिकारियों व वैज्ञानिकों को बैठक के बाद दी। कुलपति ने तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। बताया कि बैठक में अफगानी प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जीनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27.06.2021	02	03

तकनीकी कौशल

प्रदान करेगा एचएयू

जारी, हिसार: 'चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के सयुक्त तत्त्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।'



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	27.06.2021	04	04-06

‘अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एच.ए.यू.’

हिसार, 26 जून (पकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एच.ए.यू. के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. का बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नए एम सिद्ददकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एच.ए.यू. की ओर से इंडो-यूएस-

अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आधिक महायोग से कैटलाइंजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजैक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	27.06.2021	09	05-07

**अफगानी कृषि अधिकारियों को
तकनीकी कौशल देगा एचएयू**

■ हृषि में ऑनलाइन इंडो-यूएस-
अफगानिस्तान प्रशिक्षण पर बैठक

हरिभूमि न्यूज़ ►| डिसाइन

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी हृषि के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के

30 तक प्रशिक्षण का आयोजन

अनुसंधान निदेशक डॉ. ईसके सहरावर ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारमूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समनिवेत कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियों को सम्बन्ध, आदि प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब नुरक्षा की तकनीक, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण किया जाएगा। स्नातकोत्तर अधिलाता एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के हांचाज डॉ. अतुल दीगड़ा ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा।

अधिकारियों तथा वर्जिनिया टैक एवं वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनाइटेड स्टेट सिद्धकी से ऑनलाइन बैठक के एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट बाद ही। एचएयू की ओर से इंडो- के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रशिक्षण में विवि के विवि विशेषज्ञ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27.06.2021	02	03-06

अफगानी कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगी एचएयू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचएयू को ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एकलचर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लेब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढीगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए यह चौथा प्रशिक्षण है, जो ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने को एचएयू में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए हुई बैठक

इन विषयों पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

- ▶ खरपतवार प्रबंधन तकनीक
- ▶ खाद्य प्रसंस्करण एवं गृह्य संवर्धन तकनीक
- ▶ समन्वित कृषि प्रणाली
- ▶ लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग
- ▶ परम्परागत, आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां का समन्वय



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक द्रिव्यून	28.06.2021	07	04

‘एचएयू में बनेगा प्रकाशन क्लब’

हिसार, 27 जून (निस)

केंद्र सरकार द्वारा मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव पर अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कालोज ने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक प्रकाशन क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकाशन क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.06.2021	04	02-04

‘एच.ए.यू. में बनेगा जर्नल क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभान्वितः कुलपति’

हिसार, 27 जून (पंकेस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्चरेट्टा व इमैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित

ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यालियत बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

मुख्यालियत ने कहा कि इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद



कार्यक्रम के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में एम.एच.यू. करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओ.एस.डी.डा. अनुल ढींगड़ा,

कुलसचिव डा. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28.06.2021	04	03-04

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब विद्यार्थी होंगे लाभान्वित

जागरण संवाददाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा। जो विद्यार्थियों और विज्ञानियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इमैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय में अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में यह जानकारी कुलपति प्रो बीआर कांबोज द्वारा दी गई।

एक दूसरे से शोध कर सकेंगे साझा : इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व विज्ञानियों को अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी विज्ञानियों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा। विज्ञानियों व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि

शोध क्षेत्र व प्रयोगशाला के आंकड़ों का हो विशेष ध्यान मुख्य वक्ता ऑस्ट्रेलिया की वर्चस्लैड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भारीरथ चौहान ने कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को शामिल किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशालय द्वारा किया गया। जिसमें अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहवात देवरमैन, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डा. नीरज कुमार, डा. सतीश कुमार सह-संयोजक रहे।

वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडेक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें। कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी शोधार्थी की व्यक्तिगत पहचान है बल्कि विश्वविद्यालय की रेटिंग तय होती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.06.2021	03	03-04

योजना

शोध पत्रों की गुणवत्ता में होगा सुधार

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इमैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यालिथ संबोधित कर रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तम विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग

शोध क्षेत्र व प्रयोगशाला के आंकड़ों का हो विशेष ध्यान

आस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के खरपतवा विज्ञान के प्रो. भागीरथ चौहान ने बतौर मुख्य बक्ता कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, डॉ. सतीश कुमार, एमएचयू करनाल के कुलपति प्रो. समर सिंह, कुलपति के ओपसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। व इमैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28.06.2021	02	01-02



कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. मदन खिचड़

किसान खेतों में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें



1. नरमा/कपास व सब्जियों के खेतों में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई कर नमी संचित करें।

2. व लगातार बादलबाई रहने के कारण नरमा/कपास व सब्जियों में कीटों व रोगों का प्रकोप हो सकता है। इन फसलों की लगातार निगरानी करते रहें व यदि कहीं प्रकोप दिखाई दे तो विश्वविद्यालय की सिफारिश दवाइयों की स्पे करें।

3. अन्य खीरीफ फसलों के लिए खेत तैयार कर उत्तम किस्मों के बीजों का प्रबंध करें व उचित नमी उपलब्ध हो तो बिजाई शुरू करें। बिजाई से पहले बीजोपचार अवश्य करें।



डॉ. मदन खिचड़
अध्यक्ष, कृषि
मौसम विज्ञान
विभाग, एचएयू
हिसार।

4. धान लगाने के लिए अच्छी उपलब्ध होने पर धान लगाना शुरू करें।

5. 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट, 0.5 प्रतिशत फेरससल्फेट व 2.5 प्रतिशत यूरिया का घोल बनाकर छिड़काव करें। यह छिड़काव आवश्यकतानुसार चार-पाच दिनों के अंतराल पर दोहराएं।

6. धान में बकानी रोग से बचाव के लिए पनीरी को उखाड़ने से 7 दिन पहले 250 ग्राम कार्बोडाजिम प्रति आधा कनाल नस्ती क्षेत्र में रेत में मिलाकर पनीरी में एक सार बिखरे दें। पनीरी को खड़े पानी में ही उखाड़ें।

सवाल भेजें | (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173

मौसम का पूर्वनुमान

एचएयू के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ के अनुसार, प्रदेश में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील और खुशक रहेगा। इस दौरान तापमान में हल्की बढ़ोतारी होगी और बीच-बीच में अंशिक बादल व धूल भरी हवाएं चलने की भी संभावना है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27.06.2021	02	05-06

15 रुपये के बीजोपचार से पाएं ग्वार में उखेड़ा रोग से छुटकारा : डॉ. यादव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। ग्वार विशेषज्ञ डॉ. बीडी यादव ने कहा कि हरियाणा के बारानी इलाकों में ग्वार एक महत्वपूर्ण फसल है। प्रदेश के रेतीले इलाकों में जड़गलन रोग ग्वार फसल में गंभीर समस्या बनती जा रही है। उखेड़ा रोक के प्रक्रोप से 20 से 45 प्रतिशत खड़ी फसल मुरझाकर सूख जाती है। किसान मात्र 15 रुपये के बीज उपचार से इसे रोक सकते हैं।

गाव चिड़ौद में शनिवार उद्धोने किसानों को बीजोपचार करने के लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षित किया। एचएयू से सेवानिवृत्त कृषि विज्ञानी डॉ. आरएस दुकिया के तत्वावधान में आयोजित

प्रशिक्षण शिविर में डॉ. यादव ने कहा कि ग्वार में कम पैदावार होने का उखेड़ा बीमारी एक मुख्य कारण है। उखेड़ा यानि जड़गलन की रोकथाम के लिए 3 ग्राम कार्बनडाजिम 50 प्रतिशत बेविस्टीन प्रतिक्रिया बीज की दर से सूखा उपचारित करने के बाद ही बिजाई करनी चाहिए। ऐसा करने से 80 से 85 प्रतिशत इस रोग पर काबू पाया जा सकता है।

जड़गलन रोक का यह इलाज केवल 15 रुपये के बीजोपचार से संभव है। इस मौके पर प्रगतिशील किसान रमेश श्योराण, अजीत सिंह, कृष्ण कुमार, रामस्वरूप, सुभाष, महीपाल, वजीर सिंह व करतार सिंह मौजूद रहे।

अफगानिस्तान के कृषि वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा हक्की

हिसार/26 जून/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाईन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाईन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक

प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियों का समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं

मूल्य संबंधन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाईन व एक ऑफलाईन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाईन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

एचएयू में विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई: प्रो.काम्बोज

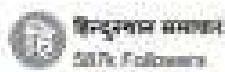
पल पल न्यूज़: हिसार, 25 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सभ्य विज्ञान विभाग में खातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है। खातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के खातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिसमें इंटरनेट



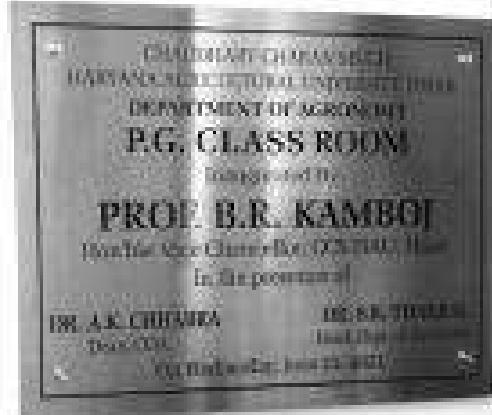
सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मूहैया करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए सभ्य-सभ्य पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करवाएं जाते हैं ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट रूप कक्षा

के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। कुलपति ने कहा कि इस कैटीन में न्यूनतम दर पर उत्पादों की बिक्री की जानी चाहिए ताकि सभी इसका आसानी से लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि कैटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों

का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छावड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढाढ़ा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाढ़ा, मानव संसाधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया, डॉ. अमरजीत कालड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, सभ्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. उकराँल सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।



हिंदूनगरी समाई कला सभा में कर्मचार पदक : डॉ. शीराज कम्बोज



26 June 2021 - 11:57 AM

- द्रष्टव्य चालनी समाई कला सभा का उद्घाटन विद्या
विषय, 26 जून (वि.स.)। यहाँ के विवरणमा भूमि विवरणिट्यालय के विद्यार्थी उद्धृत ही समाई कला सभा में पदक कर्मचार आये। इसके लिए द्रष्टव्य चालनी की सुविधाता ही उपर्युक्त है। विवरणिट्यालय के कुलपती यो. शीराज कम्बोज ने शुभारंभ कर्मचार विद्यार्थी के समाई विवरणमा समाई विवरणमा में विवरणिट्यालय कला का उद्घाटन कर इसकी विविधता का काम करका दीर्घ समय से विद्यार्थी की तरफ होगा।

उद्घाटन के उद्योग कुलपती ने कहा कि उद्धृत ही विवरणिट्यालय के सभी सहायिट्यालयों ने समाई कला कलाएं आयी विद्यार्थी विद्यार्थी को अनुरोध कराएँ प्रदान की जाएंगी।

यहाँ विविध से समर्पित गती तथा अपेक्षा पढ़े-

उपर्युक्त चालु के विवरणिट्यालय का द्रष्टव्य चालनी द्वारा ही किए विद्यार्थी को विद्यार्थी द्वारा दीर्घ समय पर दर्शाया व अन्तर्वाहीन द्वारा के विवरणमा के साथ आदान-प्रदान करते हुए अवश्यिता करतार जाती है। तभी विद्यार्थी का उपर्युक्त विद्यार्थी विवरणमा पदक समाई कला का उद्घाटन के अवाकाश दीर्घ समय सहायिट्यालय की विविधता का द्रष्टव्य चालनी के लिए आवश्यक होती है। कुलपती ने कहा कि इस विद्यार्थी के द्वारा दीर्घ समय द्वारा दर्शाया जानी जानी विद्यार्थी का उद्धृती ने पालन विवरण उद्धृत रखती है।

हिंदूनगरी समाई कला सभा कला सभा

अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए
एचएयू में ऑनलाइन इंडो-यूएस-
अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय
प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित

प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक

स्नातकोत्तर अधिकारी एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल रौटगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।



बैठक के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज व अन्य।

आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्टर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा।

इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के

प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा।

यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर डॉ.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के



एचएसू में बनेगा जर्नल क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभान्वितःप्रो. काम्बोज

फल पल न्यूज़: हिसार, 27 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अधियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उल्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्रातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्रातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडैक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा उन्होंने अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों की टीम गठित करने का आह्वान किया ताकि उच्च गुणवत्ता की शोध की जा सके और शोध पत्र भी उच्च श्रेणी की पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी शोधार्थी की व्यक्तिगत यहचान है बल्कि किसी भी विश्वविद्यालय की रेटिंग तय करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

@soniraj.soni3

8.1k views



हिसार: हिसार HAU में विद्यार्थी अब स्मार्ट क्लासरूम में करेंगे पढ़ाई : कुलपति

Home > [/] यात्रा > [/social] विद्यालय > [/social/haryana] अफगानिस्तान के युवा...

अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएसू

यह जानकारी एचएसू के कुलपति प्रोफेसर डी.आर. काश्योल में पुनर्जीटेक स्टेट एजेंसी फॉर इंडस्ट्रीजल ऐंजिनियरिंग के अधिकारियों व अभियंत्रियों के विज्ञिनिया टेक विश्वविद्यालय से पूछे गए एवं शिक्षकों से अंगताकृत बैठक के बाद है।

Write With Confidence

Check your grammar, spelling, and punctuation instantly with Grammarly

Grammarly



चौथी चाल विद्युतिपात्र कृषि विश्वविद्यालय

By Ashwani Kumar ([Ashwani-Kumar]) · Created On: 26 Jun 2021 2:59 PM · Last Updated On: 26 Jun 2021 8:29 PM

वीरांगी चाल विद्युतिपात्र कृषि विश्वविद्यालय, उत्तरांग ज़िले अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय ज़िले अंगताकृत अभियंत्रियों के विज्ञिनिया टेक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावादीय में अंगताकृत विद्या जल्दी।

यह जानकारी एचएसू के कुलपति प्रोफेसर डी.आर. काश्योल में पुनर्जीटेक स्टेट एजेंसी फॉर इंडस्ट्रीजल ऐंजिनियरिंग के अधिकारियों व अभियंत्रियों के विज्ञिनिया टेक विश्वविद्यालय से पूछे गए एवं शिक्षकों से अंगताकृत बैठक के बाद है। उन्होंने बताया कि एचएसू की ओर से इंडी-पुर्ण-अपार्टिशन अंगताकृत अभियंत्रियों के लिया आएगा जिसमें विभिन्न विषयों की ओर से विद्युतिपात्र कृषि विश्वविद्यालय के विद्युत विशेषज्ञ वैज्ञानिक वर्तमान हैं।

एमएयू में बनेगा जनरल कलब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभांति : प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 जून (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल कलब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कह कि इस जर्नल कलब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन



कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य। को रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की क्रीसलैंड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने बतौर मुख्य

कुमार संयोजक व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह कुलपति के ओएसडी

डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा

विश्वविद्यालय में 'आजादी का अमृत' महोत्सव के उपलक्ष्य में व्याख्यान आयोजित

वक्ता कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बरीकी से समझाया। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशालय की ओर से किया गया था, जिसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहावत चैयरमेन, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज

निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू : प्रो. काम्बोज

हिसार, 26 जून (राजकुमार) : चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दीकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व



बैठक में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

वैज्ञानिक प्रशिक्षण देगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में

अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत

के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक : स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं अंतर्राष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने द्वारा एचएयू में बैठक सम्पन्न

‘अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू’

हिसार (सच कहूँ न्यूज़)।

चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। वह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जूड़े नूर एम सिद्ककी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के

■ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए एचएयू में ऑनलाइन इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियों को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एचएयू में रिसर्च के लिए बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का जर्नल क्लब^{गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन को मिल सकेगा बढ़ावा}

■ विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभान्वित

सच कहुँ संदीप सिंहभार।

हिसार। चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। इस जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन को रूपेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को



इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे।

आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी शुरू की गई है। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने दरअसल विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार विद्यार्थियों की ओर से मनाए जा रहे अधियान मुहर लगा दी।

विश्वविद्यालय की रेटिंग तय करते हैं शोध

कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडेक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावा उन्होंने अलग-अलग विषयों के विशेषज्ञों की टीम गठित करने का आह्वान किया ताकि उच्च गुणवत्ता की शोध की जा सके और शोध पत्र भी उच्च श्रेणी की पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी की के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी शोधार्थी की व्यक्ति गत पहचान है बल्कि किसी भी विश्वविद्यालय की रेटिंग तय करने में भी अहा भूमिका निभाते हैं।

प्रयोगशाला के आंकड़ों पर विशेष ध्यान

ऑरट्रेलिया की कीसलैड विश्वविद्यालय के खरपतवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ वौहान ने कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व ध्यान रखने वाली बातों को बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए ताकि उच्च श्रेणी की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें। उन्होंने कहा कि शोध पत्र लिखने के पश्चात उसकी शैली, भाषा, सहित्य दौहराया आदि की अच्छे से जाओ की जानी चाहिए।

अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

चंडीगढ़, आहुजा (पंजाब के सरी): चौथरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। एकाधिकारियों का आयोजन अमेरिका के निया टैक विश्वविद्यालय के

संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम. सिद्ददको से

ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू -प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष चूज

हिसार, 26 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटलाइंजिंग अफगान एपीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के



तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का

प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्रातकीन्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढीगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू -प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष चूज

हिसार, 26 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के वर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्की से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से कैटलाइंजिंग अफगान एपीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के



तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का

प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। स्रातकीन्तर अधिष्ठाता एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों के इंचार्ज डॉ. अतुल ढीगड़ा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की ओर से अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित कर चुका है, जिनमें से तीन ऑनलाइन व एक ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किए गए। कोरोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीक प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होंगी और भविष्य में कृषि विज्ञान, कृषि व्यवसाय व स्टार्टअप प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

प्रथम चरण में स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया, जल्द ही सभी कॉलेजों में बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम एचएयू में विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई : प्रो. काम्होज

प्रधान विद्युत व्यवस्था

हिस्पार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएं। इनके लिए प्रथम चरण की शुरुआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्होज ने कृषि महाविद्यालय के सम्बन्धित विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विविधता रूप से शुरुआत की है। स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपस्थिति तुलपाठी ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाएं जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को आवृत्तिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य



आकृशक सेवाएं मुहूर्या करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को योग्यतामूलक सुविधाएं प्रदान की जाए। इसके लिए समय-समय पर गोदावीर व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करता है जोते हैं ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट रूम कक्ष के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने आते अग्रांतुओं य विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होगी। कुलपति ने कहा कि इस कैटीन में न्यूनतम दर पर उत्तमता वाली शिक्षा की जानी चाहिए ताकि सभी इसका आसानी से लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि कैटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन विद्या जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. ए.के. छावड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की निभम शैक्षणिक विद्यार्थियों से अग्रणीता व्यवायाप। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढीमझा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमनियास ढाड़ा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकारी डॉ. शिमला ढाड़ा, मानव संसाधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धूर्पिया डॉ. अमरजीत कलाड़ा, वित्त नियन्त्रक नवीन जैन, सख्त विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एस.के. ठकरोत सहित सभी अधिकारी, निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

एचएयू में विद्यार्थी स्मार्ट क्लास रूम में करेंगे पढ़ाई : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम में पढ़ाई करते नजर आएंगे। इसके लिए प्रथम चरण की शुरूआत हो चुकी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कृषि महाविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर कक्ष का उद्घाटन कर इसकी विधिवत रूप से शुरूआत की है। स्नातकोत्तर कक्ष के उद्घाटन से कृषि महाविद्यालय के स्नातकोत्तर और पीएचडी के विद्यार्थियों को लाभ होगा। उद्घाटन के उपरांत कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्ष बनाए जाएंगे जिसमें विद्यार्थियों को



आधुनिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी जिसमें इंटरनेट सेवाएं, मल्टीमीडिया, टच स्क्रीन एलईडी व अन्य आवश्यक सेवाएं मूल्यांकित जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का हमेशा प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके लिए समय-समय पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ आदान-प्रदान

कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं ताकि विद्यार्थियों का उसी अनुसार प्रदर्शन हो सके। स्मार्ट रूप कक्ष के उद्घाटन के अलावा कृषि महाविद्यालय की कैंटीन का भी उद्घाटन किया गया, जो बाहर से आने वाले आगंतुकों व किसानों के लिए लाभदायक होगी। उन्होंने कहा कि कैंटीन में साफ-सफाई व कोरोना महामारी के दौरान केंद्र व राज्य सरकार की

प्रथम चरण में स्नातकोत्तर स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया, जल्द ही सभी कॉलेजों में बनाए जाएंगे स्मार्ट रूम

जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा ने कुलपति का स्वागत करते हुए कृषि महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा आदि उपस्थित थे।

एचएयू में बनेगा प्रकाशन क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभान्वित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज



हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक प्रकाशन क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए

जा रहे अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित आँनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस प्रकाशन क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध

प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इम्पैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉर्पस इंडैक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान निदेशालय की ओर से किया गया था, जिसमें अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत चैयरमेन, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार

विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में व्याख्यान आयोजित

संयोजक व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास, सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू : कुलपति बीआर काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार।
हारियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रो. डॉ. आर. कम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दूकरी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर

अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण को लेकर बैठक आयोजित



हिसार। बैठक के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. कम्बोज व अन्य।

व फार्म तकनीकों का प्रयोग स्खा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक, व प्रणालीयों को सम्बन्ध स्थापित करने के लिए प्रसंसकरण एवं मूल्य संवर्धन तकनीक, लैब सुख्खा की तकनीकों, स्थान में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग शहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतिभागियों के लिए होगा लाभदायक स्नातकोत्तर अधिकारीय मामलों के इचार्ज डॉ. अनुल ढीगड़ा ने बताया कि कारोना महामारी के चलते तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण को भी ऑनलाइन माध्यम से 28 से 30 जून तक आयोजित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में
आजादी का अमृत
महोत्सव के
उपलक्ष्य में
व्याख्यान आयोजित

एचएयू में बनेगा जर्नल क्लब, विद्यार्थी व वैज्ञानिक होंगे लाभान्वित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिस्सार। चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक जर्नल क्लब स्थापित किया जाएगा, जो विद्यार्थियों व वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन में लाभकारी होगा। इससे गुणवत्तापूर्वक उच्च रेटिंग व इमैक्ट फैक्टर के प्रकाशन किए जा सकेंगे।

ये विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में केंद्र सरकार की ओर से मनाए जा रहे अधियान आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन विषय पर आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान की प्रथम कड़ी में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। भविष्य में भी इस कार्यक्रम के तहत अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वैज्ञानिक व विशेषज्ञ अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। मुख्यातिथि ने कहा कि इस



कार्यक्रम के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

जर्नल क्लब की स्थापना के बाद विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थी व वैज्ञानिक अपने शोध परिणामों को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। सभी वैज्ञानिकों व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को इसमें शामिल होना अनिवार्य होगा, जिससे

विश्वविद्यालय के शोध पत्रों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उच्च रेटिंग व इमैक्ट फैक्टर वाली अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा सकेंगे। उन्होंने वैज्ञानिक व विद्यार्थियों से आल्हान किया कि वे शोध पत्र जमा करवाने से पहले उस पत्रिका की नास रेटिंग, स्कॉपस इंडेक्स आदि की पूरी जानकारी हासिल कर लें

ऑस्ट्रेलिया की कर्वीसलैड विश्वविद्यालय के खण्डपत्रवार विज्ञान के प्रोफेसर भागीरथ चौहान ने बतौर मुख्य बक्ता कहा कि किसी भी शोध पत्रिका में प्रकाशन से पूर्व व्यान रखने वाली बातों का बारीकी से समझाया। उन्होंने कहा कि इसके लिए अनुसंधान क्षेत्र व प्रयोगशाला में एकत्रित किए जाने वाले अंकड़ों को ध्यानपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए ताकि उच्च श्रेणी की शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो सकें।

शोध क्षेत्र व प्रयोगशाला के अंकड़ों का हो विशेष ध्यान

उन्होंने कहा कि शोध पत्र लिखने के पश्चात उसकी शैली, भाषा, साहित्य दृष्टिकोण आदि की अच्छी से जाच की जानी चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन अनुसंधान नियेशालय की ओर से किया गया था, जिसमें अनुसंधान नियेशक डॉ. एस.के. सहरावत चैयरमेन, अतिरिक्त अनुसंधान नियेशक डॉ. नीरज कुमार संयोजक व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश कुमार सह-संयोजक थे। इस कार्यक्रम में एमएचयू करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति के ऑफिसडॉ. डॉ. अतुल ढांगड़ा, कुलसचिव डॉ. गणवार सिंह, विस्तार लिक्षा नियेशक डॉ. रमनवास स. सहित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक व विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, नियेशक, विभागाध्यक्षों, विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों व विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके कुलपति ने कहा कि उच्च श्रेणी की के अलावा उन्होंने अलग-अलग विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन न केवल किसी विशेषज्ञों की टीम गठित करने का आल्हान किया ताकि उच्च गुणवत्ता की शोधीरी की व्यक्तिगत पहचान है व्यक्तिगत किसी भी विश्वविद्यालय की रेटिंग तथा करने में भी अत्यं भूमिका निभाते हैं।

अफगानी कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा एचएयू

पल पल न्यूज़: हिसार, 26 जून। चौधरी चरण सिंह हरिधाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार जल्द ही अफगानिस्तान के कृषि अधिकारियों व वैज्ञानिकों को तकनीकी कौशल प्रदान करेगा। प्रशिक्षण का आयोजन अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन किया जाएगा। यह जानकारी एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के अधिकारियों व अमेरिका के बर्जिनिया टैक विश्वविद्यालय से जुड़े नूर एम सिद्दिकी से ऑनलाइन बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि एचएयू की ओर से इंडो-यूएस-अफगानिस्तान अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जिसमें विभिन्न विषयों को लेकर विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ व वैज्ञानिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम युनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के आर्थिक सहयोग से

कैटेलाइजिंग अफगान एग्रीकल्चर इनोवेशन प्रोजेक्ट के तहत करवाया जाएगा। इसे विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के विभाग व अनुसंधान निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में करवाया जाएगा। कुलपति ने बताया कि बैठक में अफगानी विद्यार्थियों व कृषि अधिकारियों के प्रशिक्षण को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य विषय कृषि में आधारभूत एवं आधुनिक लैब व फार्म तकनीकों का प्रयोग रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में खरपतवार प्रबंधन तकनीक, समन्वित कृषि प्रणाली, परम्परागत के साथ आधुनिक कृषि तकनीक व प्रणालियां को समन्वय, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संबर्धन तकनीक, लैब सुरक्षा की तकनीकों, रसायन में अनुसंधान तकनीकों का प्रयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।